

No. of Printed Pages : 6

**IBO-04**

**POST GRADUATE DIPLOMA IN  
INTERNATIONAL BUSINESS  
OPERATIONS/MASTER OF  
COMMERCE  
(PGDIBO/M. COM.)**

**Term-End Examination  
June, 2024**

**IBO-04 : EXPORT-IMPORT PROCEDURES AND  
DOCUMENTATION**

*Time : 3 Hours*

*Maximum Marks : 100*

*Weightage : 70%*

---

***Note : Answer both the Parts—Part A and Part B.***

---

---

**Part—A**

1. Comment on the following statements :  $4 \times 5 = 20$ 
  - (a) Export-import documents do not have legal perspective.
  - (b) Electronic Data Interchange (EDI) is not beneficial for exporters and importers.

**P. T. O.**

- (c) There is only one party involved in documentary credit.
- (d) All risks are covered under standard policy.

### Part—B

**Note :** Answer any *four* questions.

- 2. Do you think that the foreign trade is carried out under the legal framework ? Discuss and describe various legal frameworks related to the foreign trade. 5+15
- 3. State various steps involved in the processing of an export order. Discuss any *four* stages in detail. 5+15
- 4. (a) What is letter of credit ? Describe the details included in letter of credit. 10  
(b) Explain various kinds of letter of credit. 10
- 5. State the institutional frameworks for export finance. Explain the procedure for various pre-shipment finance available to Indian exporters. 5+15

6. Distinguish between the following : 10+10
- (a) Liner shipping service and Tramp shipping service
  - (b) Domestic sales contract and Export sales contract
7. Write short notes on any *two* of the following : 10+10
- (i) Commercial Invoice
  - (ii) Exports under deferred payments
  - (iii) Role of clearing and forwarding agents
  - (iv) Duty Drawback Scheme

**IBO-04**

अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय प्रचालन में स्नातकोत्तर  
डिप्लोमा/वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि  
( पी. जी. डी. आई. बी. ओ./एम. कॉम. )  
सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

आई.बी.ओ.-04 : निर्यात-आयात प्रक्रिया और  
प्रलेखीकरण

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

अंक भारिता : 70%

---

नोट : भाग 'अ' और भाग 'ब' दोनों भागों के उत्तर दीजिए।

---

**भाग—अ**

1. निम्नलिखित कथनों पर टिप्पणियाँ कीजिए :  $4 \times 5 = 20$   
(अ) निर्यात-आयात प्रलेख का विधिक दृष्टिकोण नहीं  
होता है।

- (ब) इलेक्ट्रॉनिक डाटा इन्टरचेंज निर्यातक और आयातक के लिए लाभदायक नहीं है।
- (स) प्रलेखीय साख में केवल एक ही पक्षकार होता है।
- (द) मानक पॉलिसी के अन्तर्गत सभी जोखिम शामिल होते हैं।

### भाग—ब

**नोट :** किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

2. क्या आप समझते हैं कि विदेश व्यापार विधिक ढाँचा के अन्तर्गत किया जाता है ? व्याख्या कीजिए और विदेश व्यापार से संबंधित विभिन्न विधिक ढाँचों का विवेचन कीजिए। 5+15
3. निर्यात आदेश संबंधी कार्यवाही के विभिन्न चरणों का उल्लेख कीजिए। किन्हीं चार चरणों का विस्तार से वर्णन कीजिए। 5+15
4. (अ) साख-पत्र क्या है ? साख-पत्र में दिए जाने वाले विवरण का विवेचन कीजिए। 10
- (ब) साख-पत्र के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए। 10

5. निर्यात वित्त संबंधी संस्थागत ढाँचों का उल्लेख कीजिए।  
भारतीय निर्यातकों का उपलब्ध विभिन्न पोतलदान-पूर्व  
वित्त की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। 5+15
6. निम्नलिखित में अन्तर लिखिए : 10+10  
(अ) लाइनर जहाजी सेवा और ट्रॉम्प जहाजी सेवा  
(ब) देशीय विक्रय अनुबंध तथा निर्यात विक्रय अनुबंध
7. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ  
लिखिए : 10+10  
(अ) व्यापारिक बीजक  
(ब) आस्थगित भुगतानों के अन्तर्गत निर्यात  
(स) निकासी तथा अग्रेषण एजेंटों की भूमिका  
(द) शुल्क वापसी योजना